एक नजर में

कृषि मंडी ब्यावरा में 23 एवं 24 को अवकाश

ब्यावरा 22 अगस्त, का. समस्त किसान भाइयों को ब्यावरा कृषि उपज मंडी सचिव द्वारा सूचित किया गया है कि आज दिनांक 23 रविवार को माह का चौथा रविवार तथा 24 अगस्त सोमवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण कृषि उपज मंडी समिति ब्यावरा में नीलामी कार्य बंद रहेगा. सभी किसान भाई इन दोनों दिनों में अपनी कृषि उपज मंडी में लेकर न आए. जिसके अगले दिन यथावत मंडी निलामी चालू रहेगी.

पचोर में गरुड़ झेप मशाल यात्रा का स्वागत

पचोर 22 अगस्त, सं. शौर्य, साहस और स्वाभिमान को समर्पित गरुड़ झेप मशाल यात्रा के पचोर पहुंचने पर हिन्दू संगठनों एवं स्थानीय नगरवासियों द्वारा आत्मीय और भव्य स्वागत किया गया. आगरा से पुणे तक 11 दिनों की पैदल यात्रा पर निकली इस मशाल यात्रा का नगर में प्रवेश होते ही जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया. यात्रा में युवाओं द्वारा प्रस्तुत किए गए पारंपरिक अखाड़ा करतबों ने दर्शकों का ध्यान खींचा. इस अवसर पर नगर के हिंदूवादी संगठनों के युवा जतिन सिंह भाटी, मोहित राणा, आश्विन जेन, आकाश सोनी, दीपसिंह भाटी, संजीव सिंह भाटी, अभिषेक जाट, अंकित जाट, सूरज यादव, भारत लहरी, सूरजप्रकाश गुप्ता, राजेश राजपूत, संतोष राजपूत, छोटू करोडिया, अमन गुर्जर, हरिओम राठौर सहित अनेकों युवाओं ने इस यात्रा के स्वागत सत्कार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

एक्सीडेंट मामले में फरार पीकप जप्त

राजगढ़ 22 अगस्त, का. खिलचीपुर में महिला को करीब 200 फीट तक घसीटने वाले पिकअप को पुलिस ने जब्त कर लिया है. वाहन शनिवार को मंडी रोड स्थित पुराने आईटीआई भवन के पास मिला. पुलिस अब फरार चालक की तलाश कर रही है. पुलिस ने 10 से 12 जगह के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली. इसके बाद वाहन की पहचान हुई. पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद पिकअप को छिपाकर रखा गया था. घटना 11 अगस्त की रात मंडी रोड पर वेयरहाउस के सामने हुई थी. कांतिबाई सोनी बारिश में छाता लेकर पैदल जा रही थीं. इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी. टक्कर के बाद कांतिबाई वाहन के नीचे फंस गईं. आरोप है कि चालक ने वाहन नहीं रोका. वह महिला को करीब 200 फीट तक घसीटता हुआ ले गया. इसके बाद कांतिबाई वाहन के नीचे से निकलकर सड़क पर गिर गईं. चालक पिकअप लेकर भाग गया.

चोरी का प्रयास, मकान का ताला तोड़ा

पडाना 22 अगस्त, सं. माँ आशापुरी कॉलोनी में बीती रात चोरी के प्रयास का मामला सामने आया है. कॉलोनी निवासी महेंद्र सक्सेना ने चौकी में आवेदन देकर बताया कि 21 अगस्त की रात में अज्ञात बदमाशों ने मकान का ताला तोड़ दिया. इसी दौरान आहट होने पर वे मौके से भाग निकले. सूचना देने पर पडाना चौकी प्रभारी अशोक यादव मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया. उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की और रहवासियों से सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की.

खाद्य सुरक्षा को लेकर कागजों में खाना पूर्ति

नियमित सक्रियता बरतने की बजाय त्यौहारों पर नौटंकी करेगा खाद्य विभाग

एनालॉग पनीर को लेकर राजगढ़ जिले में भी संशय बरकरार, विभाग निष्क्रिय

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 22 अगस्त, का. खाद्य विभाग अपनी सक्रियता के नाम पर दुकानदारों को मानसिक और आर्थिक तनाव देने में अधिक रूचि रखता है. वे दुकानदार अधिक तनाव का शिकार होते है जो अपेक्षाकृत अपना अधिक ईमानदारी से करते है. जो मिलावट करते है उन्हें तो विभाग बिना जांच पड़ताल करें ही पहचान कर उनके साथ वहीं करता है जो उसे करना है. आने वाले समय में त्यौहारों का सीजन शुरू होने वाला है. एक बार फिर खाद्य विभाग उस समय नौटंकी करता नजर आयेगा.

उल्लेखनीय है कि राजगढ़ जिले में खाद्य विभाग दिखावे के लिये जाने जाता है. खाद्य सुरक्षा को लेकर विभाग कागजों में खाना पूर्ति करने में लगा हुआ है. जिले में एक मात्र अधिकारी है वो भी कितना और कैसा कार्य करते है यह वही बेहतर बता सकता है जिसको उनसे काम पड़ता है.

त्योहारों का मौसम सिर पर है और बाजारों में मिठाइयों, मावे और पनीर की मांग तेजी से बढ़ने लगी है. ऐसे समय में राजगढ़ जिले की सीमा से लगे भोपाल और सीहोर में एनालॉग पनीर के खिलाफ हुई कार्रवाई ने राजगढ़ के बाजारों में बिकने वाले दूध, पनीर और मावे की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. जिस पनीर को दूध से तैयार होने वाला सामान्य पनीर समझकर लोग खरीद रहे हैं, कहीं वह एनालॉग पनीर तो नहीं है. यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि त्योहारों में इसी पनीर और मावे का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में मिठाइयां तैयार करने में होता है.

भोपाल-सीहोर में खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद सामने आई तस्वीर ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मिलावटी और सिंथेटिक खाद्य पदार्थों का कारोबार केवल एक शहर तक सीमित नहीं माना जा सकता. राजगढ़ जिले में भी बाहर से आने वाले ऐसे खाद्य पदार्थों की सप्लाई और खपत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है. इसके बावजूद जिले में खाद्य विभाग की ओर से दूध, पनीर और मावे की गुणवत्ता जांच को लेकर अब तक कोई बड़ी कार्रवाई देखने को नही मिली है.

फाईल फोटो

उत्पादन से अधिक सप्लाई....

जिले के शहरी और ग्रामीण अंचल में दूध की सप्लाई और पनीर के बड़े पैमाने पर उत्पादन को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं. पूर्व के वर्षो में कई स्थानों पर नकली दूध, पनीर की फैक्ट्री पकड़ी भी गई है लेकिन इस पर विराम लग गया है इसका दावा नहीं किया जा सकता है. कई स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पनीर तैयार होने की बात सामने आती है. ऐसे में यह जांच का विषय है कि इसके लिए आवश्यक दूध की उपलब्धता और वास्तविक उत्पादन के बीच कितना अंतर है. दुग्ध उत्पादों की सप्लाई चेन की भी जांच जरूरी है.

सैंपलिंग लेकिन नतीजे और कार्रवाई पर सवाल

जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर समय-समय पर सैंपलिंग, जब्ती और कार्रवाई की जाती है। हालांकिए कई मामलों में जांच के बाद मिलावट या खाद्य मानकों के उल्लंघन का ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आने से कार्रवाई महज खाना पूर्ति जैसी नजर आती है.

त्योहार के पहले यदि व्यापक स्तर पर पनीर, दूध, मावा और मिठाइयों के सैंपल लिए जाएं और उनकी वैज्ञानिक जांच कराई जाए तो मिलावट के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है.

खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए गंभीर

मिलावटी दूध एवं दूध से बने उत्पादों में कई बार डिटर्जेंट, यूरिया, सिंथेटिक सामग्री, पाम ऑयल और केमिकल ग्लूकोज जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे अखाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर नुकसानदायक हो सकता है. लंबे समय तक इनके सेवन से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है.

डॉ. योगेश दांगी
एमडी, जिला चिकित्सालय राजगढ़

फूड सेफ्टी विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी. मिलावटखोरी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंग. क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया जाएगा.

सुशील कुमार
एसडीएम राजगढ़

वर्तमान में जिले के खाद्य विभाग में एक मात्र खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदस्थ है. ऐसे में पूरे जिले में दूध, पनीर, मावा, मिठाइयों, होटल-रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित निगरानी कितनी प्रभावी ढंग से हो पा रही है, यह भी बड़ा सवाल है.

दो बाईक एवं आयशर ट्रक की टक्कर में चार घायल

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 22 अगस्त, सं. नेशनल हाईवे क्रमांक 52 किशनपुरा सैदाबाद जोड़ पर शनिवार सुबह 9.30 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमे कुल चार लोग घायल हो गये और 3 की गंभीर घायल हो गये जिनको सिविल अस्पताल सारंगपुर में प्राथमिक उपचार के बाद शाजापुर रेफर कर किया गया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार दो मोटरसाइकिल क्रमांक द्वश्च395द्द 4237 और द्वश्च 39 द्बद्ब 8897 एवं आयशर ट्रक द्वश्च 13 द्बद्ब 3437 शनिवार सुबह 9.30 के लगभग किशनपुरा सैदाबाद से मोटरसाइकिल सवार सड़क पार कर रहे थे इसी दौरान तेज गति से आ रहे आयशर ट्रक ने दोनों बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. जिससे बाइक सवार चार लोग घायल हो गए जिसमे विजेंद्र सिंह पिता उमराव सिंह, अर्जुन पिता भगवान सिंह, मांगीलाल पिता राधे लाल तीनो निवासी सैदाबाद एवं देवनारायण पिता चेन सिंह निवासी ब्यावरा मांडू घायल हो गये. जिसमें तीन व्यक्ति को शासकीय सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखकर डॉक्टर की टीम ने शाजापुर रेफर कर दिया. वही अर्जुन सिंह को मामूली चोट होने के कारण शासकीय सिविल अस्पताल में उपचार किया जा रहा है.

नेशनल हाईवे की लापरवाही आम व्यक्ति में जागरूकता का अभाव वार्ड क्रमांक 01 कीड़ी के पास किशनपुरा सैदाबाद डेंजर जोन में तब्दील हो रहा है यहां पर आए दिन हादसे होते हैं लेकिन नेशनल हाईवे विभाग के अधिकारी सिर्फ टोल वसूल करने में लगे हुए हैं हालत यह है कि आए दिन सड़क हादसे होने के कारण ना तो आम जनों को जागरूक किया जाता है ना ही अवैध बने मार्ग को बंद किया जाता है जिससे आये दिन हादसे होते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता अनिल बारकिया ने बताया कि नेशनल हाईवे वाले किशनपुरा सैदाबाद जोड़ पर अवैध बने पगडंडी मार्ग को बंद कर दे तो हादसे पर अंकुश लग सकता है.

नेशनल हाईवे के 1033 कॉल सेंटर बंद - नेशनल हाईवे के 1033 कॉल सेंटर बंद होने से फोन नहीं लगता और फोन लग भी जाये तो समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंचती है. इस सबंध में रोजवास टोल अधिकारी से जानकारी चाही गई तो उन्होंने फोन उठना उचित नहीं समझा. जननी एम्बुलेंस बनी वारदात घटना के समय पास से गुजर रही जनी एम्बुलेंस के चालक ने मानवता दिखाते हुवे सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पोहचाया.

पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर रोपे पौधे

नवभारत न्यूज

पीलूखेड़ी 22 अगस्त, सं. जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रियव्रत सिंह की अध्यक्षता में गीलाखेडी मंडलम में संपन्न हुई. जिसमें नवीन ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्यों का जिला अध्यक्ष द्वारा स्वागत किया गया. प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की जयंती पर वृक्षारोपण किया. कार्यक्रम में पूर्व विधायक गिरीश भंडारी, रघु परमार जिला पंचायत सदस्य खुर्शीद मेंव, प्रेम किशोर मीणा, गोविंद सिंह गुर्जर, मंजूलता शिवहरे आदि पदाधिकारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. सभी अतिथियों का 10 जेसीबी से नेशनल हाईवे से लेकर कार्यक्रम स्थल तक पुष्प वर्षा किया एवं जोरदार आतिशबाजी की इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों द्वारा सभी कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा की गई. ब्लॉक अध्यक्ष खुर्शीद मेव और सभी मंडलम अध्यक्ष पार्षदगणों ने 51 किलो की 21 फीट माला पहनकर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया. संचालन डॉ रविंद्र मीणा ने किया एवं आभार नगर अध्यक्ष प्रकाश दला ने माना.

मां ब्रह्माणी ग्रुप द्वारा महिला कावड़ जलाभिषेक यात्रा आज

मातृशक्ति को कलश एवं रुद्राक्ष बांटेंगे

नवभारत न्यूज

पचोर 22 अगस्त, सं. पवित्र श्रावण मास में मां ब्रह्माणी महिला ग्रुप द्वारा आज सुबह 10 बजे कलश जलाभिषेक कावड़ यात्रा गायत्री मंदिर के समीप जीवनदायनी नेवज मैया का पवित्र जल भरकर प्राचीन बाबा विश्वनाथ महादेव मंदिर पर मातृशक्ति द्वारा जलाभिषेक किया जाएगा.

मां ब्रह्माणी ग्रुप की संरक्षक पार्षद श्रीमती रामकुंवर लहरी दामोदर सिंह लहरी, पार्षद श्रीमती ममता लहरी, सीताराम लहरी ने बताया कि मां ब्रह्माणी ग्रुप द्वारा पहली बार नेवज के पवित्र जल से मातृ शक्ति जलाभिषेक करेंगी. जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति सम्मिलित होगी.

सम्मिलित होने वाली महिलाओं को कलश एवं रूद्राक्ष का वितरण किया जायेगा.

गौरतलब है कि ग्रुप द्वारा पुरानी पचोर, बड़ा श्री राम मंदिर से राजस्थान खामखेड़ा बालाजी मंदिर तक 100 से अधिक महिलाओं द्वारा नगराम देश की सुख शांति के लिए श्रीमती राम कुंवर लहरी, दामोदर सिंह लहरी, श्रीमती पार्षद ममता लहरी, सीताराम लहरी के नेतृत्व में श्रद्धा भक्ति के साथ तीन दिन में यात्रा की.

आजादी के 80 साल बाद भी सड़क से वंचित है तीन गांव के ग्रामीण

नवभारत न्यूज

जीरापुर 22 अगस्त, सं. विकास के दावों के बीच जीरापुर ब्लॉक के कालाखेड़ा, पथरिया और मानपुरा गांव आज भी पक्की सड़क का इंतजार कर रहे हैं. आजादी के 80 साल बाद भी तीनों गांव सड़क से नहीं जुड़े हैं. बारिश में इनका संपर्क जीरापुर और आसपास के क्षेत्रों से कट जाता है. सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को तहसीलदार सोनू गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर 15 दिन का समय दिया है.

ग्रामीणों ने कहा कि इस अवधि में टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो सड़क पर बैठकर आंदोलन करेंगे. ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामीण सड़क विकास विभाग के अफसर मामले में ध्यान नहीं दे रहे हैं. अफसरों की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार 28 जनवरी को सडकों का सर्वे भी हो चुका है और पोर्टल पर दर्ज है. इसके बावजूद डीपीआर तैयार नहीं हुई और टेंडर प्रक्रिया भी शुरू नहीं की गई. प्रस्तावित सड़कों में नांदनी से कालाखेड़ा 3.265 किमी, नांदनी से मानपुरा 4.816 किमी और मुण्डी रोड से पथरिया 3.20 किमी शामिल हैं.

बारिश में बच्चों से मरीजों तक की परेशानी

कच्चे रास्तों के कारण बरसात में गांवों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब हो जाती है. रास्तों पर पानी भरने से संपर्क टूटने के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पाते. प्रसूता और मरीजों को भी परेशानी होती है. आपात स्थिति में मरीजों को चारपाई या ट्रैक्टर-ट्रॉली से मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है. ग्रामीण रूपसिंह ने बताया कि बीमार, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी होती है.

ग्रामीणों ने तहसीलदार के माध्यम से शासन से तीनों सड़कों की डीपीआर तैयार कर जल्द टेंडर जारी करने और निर्माण शुरू कराने की मांग की है. उनका कहना है कि इससे करीब 800 ग्रामीणों को आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी. ज्ञापन के दौरान इंदर सिंह गुर्जर, घनश्याम, छगन सिंह, लखन, जसवंत सिंह, रूप सिंह, भगवान सिंह, विक्रम सहित ग्रामीण मौजूद रहे.

दांगी मोहल्ला महिला मंडल ने निकाली कावड़ यात्रा

नवभारत न्यूज

जीरापुर 22 अगस्त, सं. नगर के दांगी मोहल्ला स्थित हनुमान मंदिर से महिला मंडल के द्वारा भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई. कावड़ यात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्ग से शिव चौक, चोपड़ा बाजार, बुधवारिया बाजार, जवाहर चौक, किशनगढ़ मोहल्ला होते हुए केवड़ा कुआं मुख्य रास्ते से खांड़ी वाले बालाजी मंदिर स्थित परिसर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया. कावड़ यात्रा में पूर्व विधायक रामप्रसाद दांगी शामिल हुए. नगर पटेल अर्जुन सिंह मंडलोई द्वारा उनका स्वागत किया यात्रा के दौरान नगर में भव्य एकेडमी स्कूल एवं जयसवाल परिवार सहित अन्य श्रद्धालुओं ने कावड़ यात्रियों का जलपान और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया. वहीं श्रद्धालु भक्त एवं महिलाएं भोलेनाथ के भजनों, जयकारे लगाते हुए नाचते गाते चलो रहीं थीं. कावड़ यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे.

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जिला स्तर पर चयन

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 22 अगस्त, का. शहर के आईडियल कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में स्कूल गेम्स के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में आईडियल कॉन्वेंट, प्रोग्रेसिव हाइट्स, मानस एवं आर.के. स्कूल की टीमों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया.

खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया.

प्रतियोगिता के बाद अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग में खिलाड़ियों का जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया. चयनित खिलाड़ी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे. बालक अंडर-14 वर्ग में आईडियल कॉन्वेंट के मोहसिन एवं दिव्यांश, तथा प्रोग्रेसिव हाइट्स के धैर्य, मुफद्दल एवं वीर का चयन हुआ. बालक अंडर-17 वर्ग में प्रोग्रेसिव हाइट्स के पर्व, ओशान एवं अंश, तथा आईडियल कॉन्वेंट के प्रियांशु एवं सोमिल कर्ण का जिला स्तर के लिए चयनित हुए.

बालक अंडर-19 वर्ग में मानस के भविष्य, प्रोग्रेसिव हाइट्स के अहमद एवं आईडियल कॉन्वेंट के मोक्षित सक्सेना का चयन किया गया. बालिका अंडर-17 वर्ग में प्रोग्रेसिव हाइट्स की सुहाना गुप्ता, मोहि शाक्यवार एवं समृद्धि तथा आईडियल कॉन्वेंट की अल्फिया का चयन हुआ. बालिका अंडर-19 वर्ग में प्रोग्रेसिव हाइट्स की नेहा वर्मा, फ्लोरा भाटिया एवं राशि गुप्ता का जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया.

प्रतियोगिता के दौरान सेवानिवृत्त खेल शिक्षक एम.एस. सैफी, डायरेक्टर जफर सैफी, खेल शिक्षक अजय बडोनिया, शिफा खान एवं ओवेस अली उपस्थित रहे. उपस्थित अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन ने जिला स्तर के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए आगामी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया.

जवाबदारी पड़ाना बायपास : 9 लोगों की मौत के बाद अंतिम रूप से जिम्मेदारी अब भी तय नहीं

9 मौतों के बाद एक अधिकारी को हटाया, समस्या वहीं

जस का तस है बिना रेलिंग का 15 फीट गहरा नाला

नवभारत न्यूज

पड़ाना 22 अगस्त, सं. बीते 10 अगस्त को जिले में भारी बरसात के बीच देवास जिले के 9 लोगों की पड़ाना में बिना रैलिंग के नाले में कार हादसे में मौत हो गई थी. मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे. हादसे के बाद एसडीएम का तबादला कर दिया गया. लेकिन जिस वजह से हादसा हुआ उसे सुधारने की दिशा में कोई काम नहीं हुआ है.

निर्माण एजेंसी की बड़ी लापरवाही सामने आई है जबकि प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि उस हादसे के बाद औपचारिकताएं कर भूल चुके है. झीरी के पास बाईपास पर सड़क पर ही 1 से 1.5 फीट पानी बह रहा था. वाहन चालक बाहरी था. उसे अंदाजा तक नहीं था कि सड़क के किनारे 10 -15 फीट गहरा नाला खुला पड़ा है. पानी में सड़क और नाला एक दिखे और गाड़ी सीधे मौत के मुंह में चली गई. इस हादसे में 9 लोगों की डूबने से मौत हो गई. 2 लोगों को ग्रामीणों ने मुश्किल से बचाया. हादसे के 1-2 दिन बाद प्रशासन ने खानापूर्ति करते हुए संबंधित एसडीएम को हटा दिया. आज दो सप्ताह बीत गए है. लेकिन आज भी उस जगह सिर्फ अस्थाई बैरिकेट लगे हैं.

नियमों की अनदेखी की गई

नियमों को किया दरकिनार आईआरसी और एमओआरटीएच के स्पष्ट निर्देश हैं कि सड़क किनारे 1.2 मीटर यानी 4 फीट से अधिक गहराई हो तो क्रैश बैरियर या पैरापेट लगाना अनिवार्य है. यहां नाले की गहराई 10 से 20 फीट थी. फिर भी 200 मीटर तक कोई रेलिंग नहीं लगी. बारिश का कोई प्लान नहीं जलभराव वाले क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, वाटर लेवल मार्कर लगाना जरूरी है. यहां कुछ नहीं था. बाहरी वाहन चालक को कैसे पता चलता कि आगे गड्ढा है? केंद्रीय सड़क निधि से बनी इस सड़क को बिना सुरक्षा फीचर के पास किसने किया? इसकी जांच जरूरी है.

अधूरा काम कर छोड़ा, नाममात्र की सुरक्षा

सुरक्षा के नाम पर कच्ची पटरी के पास से अपनी सड़क सुरक्षा सेफ्टी के लिए 8-9 इंच मोटी और सड़क की ऊंचाई से 1 फीट नीचे तक दीवार बनाई गई सड़क पर अगर पानी हो तो 1.5 फीट पानी में ये दीवार दिखती ही नहीं. 200 मीटर के खतरनाक हिस्से में सिर्फ 170 मीटर तक कंपनी ठेकेदार द्वारा अपनी सड़क सुरक्षा सेफ्टी के लिए दीवार बनाई. बाकी 30 मीटर को खुला छोड़ दिया. साथ में दी गई पटरी भी सिर्फ 3-4 फीट की कच्ची थी.